Inspirational Program Organized at Central University of Jharkhand on the 164th Birth Anniversary of Swami Vivekananda

ON the occasion of the 164th birth anniversary of Swami Vivekananda, the Central University of Jharkhand (CUJ) organized a grand and inspirational program today. The campus remained vibrant throughout the day, filled with enthusiasm, energy, and national spirit. Students, teachers, and officials participated actively, making the event meaningful.

Program Began with 'Run for Swadeshi' : The celebration started with the 'Run for Swadeshi,' in which hundreds of university students enthusiastically took part. Later, at the administrative complex, Vice-Chancellor Prof. K. B. Das, along with teachers, staff, and students, offered floral tribute at the statue of Swami Vivekananda.

Presence of Chief Guest and Distinguished Personalities : Dr. R. Balasubramanian, Member of the Capacity Building Commission, Government of India, graced the occasion as the chief guest. Prof. Ashok R. Patil, Vice-Chancellor of the National University of Study and Research in Law (NUSRL), also paid homage at the statue of Swami Vivekananda.

Lecture Session Commenced with Lamp Lighting : The lecture session held in the university auditorium began with the ceremonial lighting of the lamp. Speakers elaborated on Swami Vivekananda's multidimensional personality, his nationalist vision, and his unwavering faith in the youth.

Chief Guest Dr. R. Balasubramanian said,

"The life and philosophy of Swami Vivekananda serve as a guiding light for today's youth. His message 'Arise, awake and stop not till the goal is reached' remains equally relevant even today. The youth must absorb his teachings and worldview. A lack of service spirit leads society astray; hence it is important to understand the depth of humanity by letting go of ego."

Prof. Ashok R. Patil highlighted that Vivekananda considered youth as the greatest strength of the nation. He emphasized the importance of character-building, self-confidence, and service-oriented thinking for national development.

Vivekananda Envisioned a Developed India – Vice-Chancellor

Vice-Chancellor Prof. K. B. Das stated,

"Swami Vivekananda was the first to visualize the dream of a developed India. Self-belief is the first step to success. Every young person must adopt this mantra and contribute to nation-building with honesty and a spirit of service."

Artistic Presentation Appreciated : On the occasion, Dr. Shivakumar Mayanna Gowda, Assistant Professor, Department of Art and Performing Arts, released a new audio composition that beautifully incorporates Hindustani classical ragas. His creative work received appreciation from the Vice-Chancellor and all dignitaries.

Successful Conclusion of the Program : In the concluding session, University Registrar K. K. Rao expressed gratitude to the Vice-Chancellor, chief guests, and all participants. He also commended NSS Coordinator Dr. Rajkumar Mahato and his team for successfully organizing the event.

'स्वामी ने देखा था विकसित भारत का सपना '

जासं, रांची: स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती के अवसर पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड (सीयूजे) में एक भव्य और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर में उत्साह और राष्ट्रभाव का माहौल बना रहा। छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वदेशी संकल्प दौड़ से हुई, जिसमें सीयूजे के छात्रों ने भाग लिया। इसके बाद, कुलपति प्रो. केबी दास के नेतृत्व में शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर क्षमता विकास आयोग के सदस्य डा. आर. बालासुब्रमण्यम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के बहुआयामी व्यक्तित्व और राष्ट्रवादी चिंतन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उनका संदेश "उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको" आज भी प्रासंगिक है। प्रो. अशोक आर. पाटिल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति माना। कुलपति ने कहा कि विकसित भारत का सपना विवेकानंद ने देखा था।

सीयूजे में आयोजित कार्यक्रम में शामिल कुलपति व अन्य ● जागरण

विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी : डा. तापस घोष

जागरण संवाददाता, रांची: एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग में राष्ट्रीय युवा दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद को भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की गई। प्राचार्य डा. तापस घोष ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी। कक्षा 11 के छात्र आर्यन नायर ने स्वामी विवेकानंद की सूक्तियों पर प्रकाश डाला, जबकि कक्षा सात की छात्रा रिया सिंह ने उनके जीवन के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। संगीत शिक्षक शैलेंद्र कुमार पाठक ने भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग में आयोजित कार्यक्रम में शामिल प्राचार्य व विद्यार्थी।

सीयूजे में विवेकानंद जयंती पर संकल्प दौड़

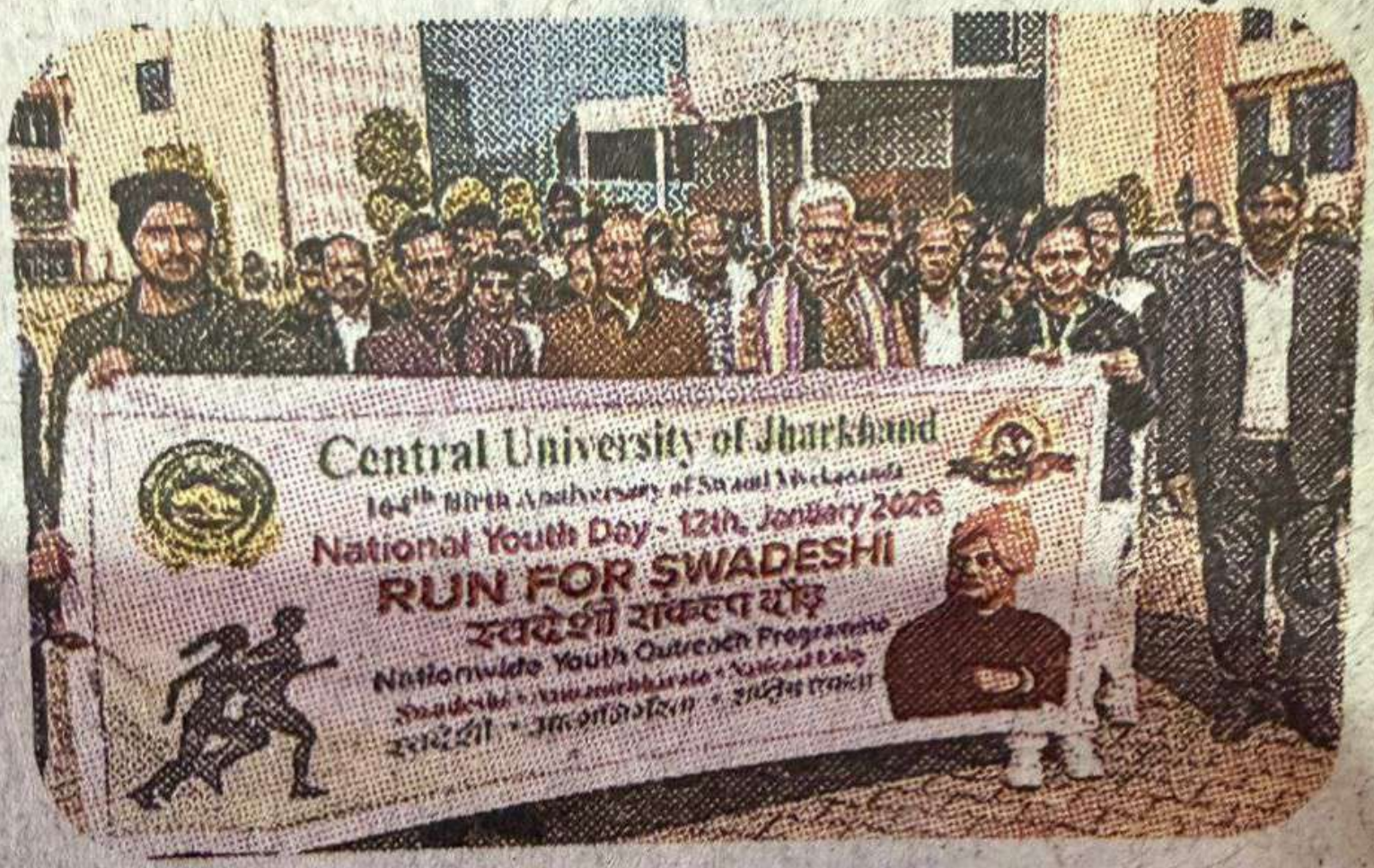

सिटी रिपोर्टर • सीयूजे में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुलपति ने विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

है। खेल और मैराथन हमें हार न मानने और लक्ष्य तक पहुंचने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर भारत का भविष्य उज्ज्वल करने के लिए प्रेरित किया। रांची महानगर के अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार महतो ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि शक्ति ही जीवन है और कमजोरी मृत्यु। क्रीड़ा भारती के प्रदेश युवा संयोजक मोनू शुक्ला ने स्वस्थ जीवन शैली व राष्ट्रवाद पर बात रखी।

के पदाधिकारी व
भारत की आध्या
सभी ने स्वामी वि

जेएसआर

रांची। झारखंड
हेमंत कुमार भ
सचिवालय द्वा
अथवा नियमि
राजभवन के

सीयूजे की संकल्प दौड़ और संगोष्ठी में 'राष्ट्र प्रथम' भाव

रांची, विशेष संवाददाता। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में हर्षोल्लास और राष्ट्रभाव के साथ मनाई गई। शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई स्वदेशी संकल्प दौड़ से हुआ। इसके बाद प्रशासनिक परिसर में कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास के नेतृत्व में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्य अतिथि क्षमता विकास आयोग (भारत सरकार) के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और विशिष्ट अतिथि एनयूएसआरएल, के कुलपति प्रो. अशोक आर. पाटिल थे।

कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने अपने संबोधन में कहा, विकसित भारत का सपना सबसे पहले स्वामी विवेकानंद ने ही देखा था। स्वयं पर अटूट विश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है। प्रत्येक युवा को इस मूलमंत्र को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में ईमानदारी और सेवाभाव से योगदान देना चाहिए।

स्वामी वि
युवाओं के

...ही दिशा देना ही ...ः न्यायायुक्त

प्रमोशन के लिए 'जुटान' ने जताया

पं... ने...